गोरा तू घोट दे भंगियाँ

गोरा तू घोट दे भंगियाँ बिन भांग रहा न जाये,
पिया फुट गइयो सिल्वटा तेरी भांग न घोटी जाये,

बिन भांग नहीं रह पाउगा मैं सिलवटा मँगवाऊगा,
कई दिन होये बिठाये बिन भांग रहा न जाये,
गोरा तू घोट दे भंगियाँ

पिया घोटु न तेरी भांग कति चाहे हो जाऊगी अभी सती,
तेरी भांग कलेजा खाये मोसे रोज न घोटी जाये,
पिया फुट गइयो सिल्वटा तेरी भांग न घोटी जाये,

मोहे आदात पड़ गई पीने की ये दवा बन गई जीने की,
गोरा तू क्यों गबराये बिन भांग रहा न जाये,
गोरा तू घोट दे भंगियाँ

मैं तो आज पीहर जाऊगी तेरी ऐसी भांग गुटाऊगी
कुछ और नजर न आये तेरी भांग न घोटी जाये,
पिया फुट गइयो सिल्वटा तेरी भांग न घोटी जाये,

धमकी से तेरी ना डरु चाली जा दूजा व्याह करू,
सुन वर्मा को बरमाये बिन भांग रहा न जाये,
गोरा तू घोट दे भंगियाँ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11456/title/gora-tu-ghot-de-bhangiyan-bin-bhaang-raha-na-jaaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |